परमात्म ऊर्जा

सम्पूर्ण अर्पण तो श्रेष्ठ दर्पण

बापदादा का अपने से साक्षात्कार कराने के लिए क्या बनना पड़ेगा? कोई भी चीज़ का साक्षात्कार किस में होता है? दर्पण में। तो अपने को दर्पण बनाना पड़ेगा। दर्पण तब बनेंगे जब सम्पूर्ण अर्पण होंगे। सम्पूर्ण अर्पण तो श्रेष्ठ दर्पण, जिस दर्पण में स्पष्ट साक्षात्कार होता है। अगर यथायोग्य, यथाशक्ति अर्पण हैं तो दर्पण भी यथायोग्य, यथाशक्ति है। सम्पूर्ण अर्थात् स्वयं के भान से भी अर्पण।

अपने को क्या समझना है? विशेष कुमारी का कर्त्तव्य यही है जो सभी बापदादा का साक्षात्कार कराएं। सिर्फ वाणी से नहीं लेकिन अपनी सूरत से। जो बाप में विशेषताएं थीं साकार में, वे अपने में लानी हैं। ऐसे करके दिखाना है जैसे मस्तिष्क में यह तिलक चमकता है ऐसे सृष्टि में स्वयं को चमकाना है। ऐसा लक्ष्य रखना है। सर्विस में सहयोगी होने के कारण बापदादा का विशेष स्नेह भी है। सहयोग और स्नेह के साथ अभी शक्ति भरनी है। अभी शक्तिरूप बनना है। शक्तियों में विशेष कौन सी शक्ति भरनी है? सहनशक्ति। जिसमें सहन शक्ति कम उसमें सम्पूर्णता भी कम। विशेष इस शक्ति को धारण करके शक्ति स्वरूप बन जाना है।

तृप्त आत्मा जो होती है उनका विशेष गुण है निर्भयता और संतुष्ट रहना। जो स्वयं संतुष्ट रहता है और दूसरों को संतुष्ट रखता है उसमें सर्वगुण आ जाते हैं। जितना-जितना शक्तिस्वरूप होंगे तो कमज़ोरी सामने रह नहीं सकती। ब्रह्माकुमारी भी नहीं, कुमारी रूप में कहाँ-कहाँ कमज़ोरी आ जाती है। शक्ति रूप में संहार की शक्ति है। शक्ति सदैव विजयी है। इसलिए सदा अपने को शक्ति समझना।

कथा सरिता

अशोक वाटिका में जिस समय रावण क्रोध में भरकर तलवार लेकर सीता माँ को मारने के लिए दौड़ पड़ा, तब हनुमान जी को लगा कि इसकी तलवार छीन कर इसका सिर काट देना चाहिए। किन्तु अगले ही क्षण उन्होंने देखा कि मंदोदरी ने रावण का हाथ पकड़ लिया, यह देखकर वे गद्गद् हो गये। वे सोचने लगे... यदि मैं आगे बढ़ता तो मुझे भ्रम हो जाता कि यदि मैं न होता तो सीता जी को कौन बचाता?

बहुधा हमें भी ऐसा ही भ्रम हो जाता है। मैं न होता तो क्या होता? परन्तु ये क्या हुआ, सीताजी को बचाने का कार्य प्रभु ने रावण की पत्नी को ही सौंप दिया। तब हनुमान जी समझ गये कि प्रभु जिससे जो कार्य लेना चाहते हैं, वह उसी से लेते हैं।

आगे चलकर जब त्रिजटा ने कहा कि लंका में बंदर आया हुआ है और वह लंका जलायेगा तो हनुमान जी बड़ी चिंता में पड़ गये कि प्रभु ने तो लंका जलाने के लिए कहा ही नहीं है और त्रिजटा कह रही है कि उन्होंने स्वप्न में देखा है, एक वानर ने लंका जलाई है। अब उन्हें क्या करना चाहिए? जो प्रभु इच्छा। जब रावण के सैनिक तलवार लेकर हनुमान जी को मारने के लिए दौड़े तो हनुमान जी ने अपने को बचाने के लिए तनिक भी चेष्टा नहीं की, और जब विभीषण ने आकर कहा कि दूत को मारना अनीति है, तो हनुमान जी समझ गये कि मुझे बचाने के लिए प्रभु ने यह उपाय कर दिया है। आश्चर्य की पराकाष्ठा तो तब हुई, जब रावण ने कहा कि बंदर को मारा नहीं जायेगा पर पूंछ में कपड़ा लपेट कर घी डालकर आग लगाई जाये।

तो हनुमान जी सोचने लगे कि लंका वाली त्रिजटा की बात सच थी, वरना लंका को जलाने के लिए मैं कहां से घी, तेल, कपड़ा लाता और कहाँ आग ढूंढ़ता। पर वह प्रबन्ध भी आपने रावण से करा दिया, जब आप रावण से भी अपना काम करा लेते हैं, तो मुझसे करा लेने में आश्चर्य की क्या बात है!

इसलिए हमेशा याद रखें कि संसार में जो हो रहा है, वह ईश्वरीय विधान है। हम और आप तो केवल निमित्त मात्र हैं, इसीलिए कभी भी ये भ्रम न पालें कि... मैं न होता तो क्या होता।

मुज़फ्फरपुर-बिहार। उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद के ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय मुख्यालय सुख-शांति भवन में आने पर गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. रानी दीदी। मौके पर भारत भूषण भाई, एच.एल. गुप्ता, ब्र.कु. महेश भाई, ब्र.कु. मीना बहन, ब्र.कु. अरविंद, ब्र.कु. फलक, ब्र.कु. सीता तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

मुम्बई-विले पार्ले। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को उनके मालाबार हिल स्थित निवास स्थान पर मुलाकात कर अंधेरी में संस्था द्वारा संचालित हॉस्पिटल द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी देने, ईश्वरीय संदेश देने व ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. क्रीना दीदी, ब्र.कु. प्रतिभा दीदी तथा डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके।

जयपुर-निर्माण नगर। मुकुंद गोयल,चेयरमैन,अनंता ग्रुप ऑफ होटल एवं उनकी धर्मपत्नी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सरिता बहन।

चरखी दादरी-हरियाणा। जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर आयोजित चैतन्य झाँकी का शुभारंभ करते हुए एस.डी.एम. वीरेन्द्र अहलावत, एस.डी.एम. कविता, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रेमलता बहन, विधायक सोमवीर सांगवान, डी.आर.के. स्कूल के प्रिन्सीपल जसवीर ग्रोवर, पार्षद रामकिशन जी तथा अन्य।

भिलाई-छ.ग.। नवरात्रि पर आयोजित चैतन्य देवियों की झाँकी का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. आशा दीदी, राकेश कुमार मिश्रा,ई.डी.एम.एम.,भिलाई इस्पात संयत्र, श्रीमति मिश्रा एवं ब्र.कु. प्राची बहन।

भादरा-राज.। दादी प्रकाशमणि के पुण्य स्मृति दिवस पर दादी को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु. चन्द्रकांता बहन, ब्र.कु. शोभा बहन, श्यामानंद जी महाराज, बिजली बोर्ड के एक्ज़ीक्युटिव इंजीनियर दीवान सिंह तथा अन्य।

नेपाल-काठमाण्डू। कोरोना महामारी के दौरान मानवता के लिए लोक कल्याण में अपना अमूल्य योगदान देने हेतु ब्रह्माकुमारीज़,नेपाल की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,लंडन के राष्ट्रीय सचिव डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके द्वारा 'सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नेपाल के पूर्व रक्षा मंत्री एवं सांसद प्रो. भीमसेन दास प्रधान, डॉ. ब्र.कु. सुवर्णा तथा ब्र.कु. राम सिंह उपस्थित रहे।

दिल्ली-सत्कार भवन। ओम शान्ति मीडिया के सम्पादक राजयोगी ब्र.कु. गंगाधर,माउण्ट आबू ने डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त कर परमात्मा शिव को अर्पित किया। तत्पश्चात स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुनीता बहन व ब्र.कु. संजय भाई से डिग्री प्राप्त करते हुए राजयोगी ब्र.कु. गंगाधर।

आगरा-सिकंदरा(उ.प्र.)। जिला कारागार अध्यक्ष पी.डी. सालौनिया, जेलर राजेश कुमार सिंह तथा डिप्टी जेलर विजय कुमार पाण्डेल को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सरिता बहन। साथ हैं ब्र.कु. मधु बहन व ब्र.कु. तन्नू बहन।